भाग्यं भवति कर्मणा

आपका मासिक राशिफल माह मार्च, 2013

मेषः– चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ

माह के प्रथम सप्ताह मे ग्रहस्थ आश्रम के अनुभव बेहतर प्रतीत होंगे। आय और व्यय का असंतुलन संतुलित होता नजर आयेगा। राजनैतिक मित्रों के साथ बेहतर तालमेल स्थापित होंगे। साहसिक निर्णय लेने की दिशा मे भी आश्चर्यजनक रुप से पहल होगी। अनैतिक सम्बन्धों के कारण आपकी मानसिक परेशानी बढ़ सकती है। यात्रा प्रकरणों से मिश्रित परिणाम प्राप्त होंगे। व्यवसायिक मामलो मे विलम्ब होगा। तारीख 1, 2, 3, 7, 8, 9 उत्तम हैं। **अरिष्ट निवारण हेतु 900 ग्राम बतासे बहते हुए जल मे डालना उत्तम होगा।**

प्रातः कालीन ग्रह स्थिति – 01 मार्च

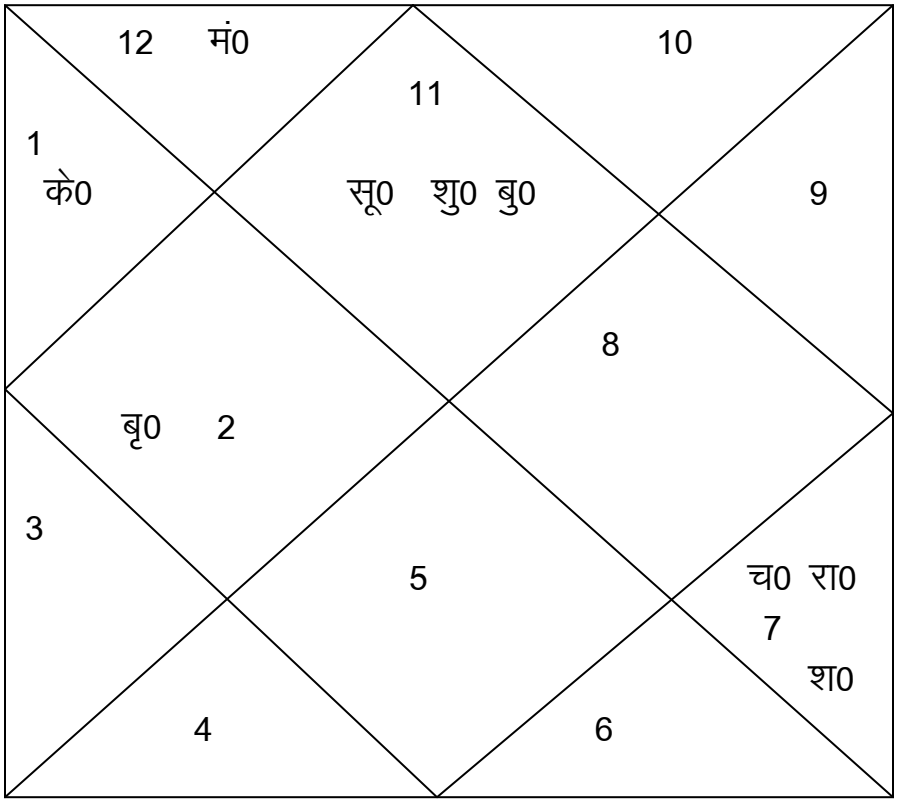

वृषः– ई, ऊ, ऐ, ओ, वा, वी, वू, वे, वो

शत्रुओं को दमन करने के आपके कूटनैतिक प्रयासों को बल मिलेगा। जीविकोपार्जन सम्बन्धी समस्यायें सरलता से सुलझती नजर आयेंगी। माह का दूसरा सप्ताह राजकीय कार्यों के लिये बेहतर प्रतीत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता की दिशा मे किये गये प्रयास आपेक्षित परिणाम के सूचक सिद्ध होंगे। किसी न किसी तरह का मानसिक तनाव आपकी मनः स्थिति को प्रभावित करेगा। राज्याधिकारियों के पास आपके लम्बित मामले प्रगति की ओर अग्रसर रहेंगे। खर्च पर नियंत्रण कर पाना आपके लिये कठिन प्रतीत होगा। तारीख 3, 4, 5, 9, 10, 11 शुभ सूचक सिद्ध होंगी। **अरिष्ट निवारण के लिये शुक्रवार को सफेद सीसा जल मे डालकर स्नान करना हितकर है।**

मिथुनः– का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, हा

रोजी, रोटी की दिशा मे किये गये प्रयास सार्थक परिणाम की ओर अग्रसर होंगे। ईश्वर अराधना के प्रति उदासीनता मानसिक रुप से कष्टित करेगी। संतान पक्ष का स्वास्थ्य भी मानसिकता को प्रभावित करेगी। आशा और निराशा के मध्य आशावादी दृष्टिकोण आपकी विपरीत परिस्थितियों मे सहायता कर सकता है। शासन–प्रशासन का सहयोगी रुख आपके बिगड़ते कार्यों को सार्थक दिशा मे परिवर्तत करेगा। शुभ सूचक कार्यों मे खर्च अधिकतम सीमा रेखा को पार कर सकता है। जीवन साथी के साथ सामन्जस्य स्थापित करने मे कठिनाइयां प्रतीत होंगी। किसी नवीन व्यापार मे अतिरिक्त पूंजी निवेश का सही वक्त अभी नहीं है। तारीख 5, 6, 7, 12, 13, 14 प्रगति सूचक है। **अरिष्ट निवारण के लिये नित्य तुलसीदल का सेवन करना श्रेयस्कर होगा।**

कर्कः– ही, हू, हे, डा, डी, डू, डे, डो, हो

अत्यधिक संख्या मे एकत्रित यात्रा प्रसंग शारीरिक एवं मानसिक कष्ट की अनुभूति करायेंगे। माह का दूसरा सप्ताह व्यवसाय की दृष्टिकोण से बेहतर प्रतीत हो सकता है। ग्रहस्थ जीवन की गाड़ी धीरे–धीरे चलती जनर आयेगी। धार्मिक, अध्यात्मिक कार्यकलापों मे आपकी उपस्थिति सामाजिक सुख्याति को वातावरण बनायेगी। भूमि मकान वाहन आदि से सम्बन्धित कार्यों मे कठिनाइयां आयेंगी। माता–पिता आदि का स्वास्थ्य मनः स्थिति को प्रभावित करेगा। उपहार लाभ प्राप्त हो सकता है। तारीख 5, 6, 7, 8, 9, 14, 15, 16 प्रगतिकारक प्रतीत होगी। **अरिष्ट निवारण के लिये प्रातः उठते ही द्वादश ज्योतिर्लिंग का स्मरण करना उत्तम रहेगा।**

सिंहः– मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे

वाणी मे वाचालता की समाविष्टि के कारण परिजनो और आपके मध्य तनाव का वातावरण बन सकता है। सरदर्द, रक्तचाप, ज्वर आदि से सचेत रहना हितकर होगा। जीवनसाथी के साथ भी व्यर्थ वार्तालाप के चलते अनबन की स्थिति आयेगी। विरोधियों के खिलाफ आपकी दमनात्मक कार्यवाही बेहद कारगर सिद्ध हो सकती है। प्राविधिक शिक्षा की दिशा मे किये गये प्रयास सार्थक सिद्ध होंगे। इस माह मे किसी नवीन व्यापार मे पूंजी निवेश कठिनाइयों मे डालने जैसा सिद्ध होगा। माह के दूसरे सप्ताह मे बिगड़ते कार्यों मे परिवर्तनशीलता प्रतीत हो सकती है। अवरोध और उहापोह की स्थिति के साथ धार्मिक यात्रा होगी। तारीख 1, 2, 3, 7, 8, 9, 10, 11 उत्तम सूचक प्रतीत होंगी। **अरिष्ट निवारण हेतु तांबे के लोटे मे जल के साथ दूध, लाल पुष्प, चंदन मिलाकर नियमि अर्ध्य देना हितकर है।**

कन्याः– टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो

विपक्षियों के ऊपर आपकी शमनात्मक कार्यवाही बेहतर परिणाम की सूचक सिद्ध होगी। आप द्वारा जलीय पदार्थों का सेवन तथा जलीय पदार्थों का व्यापार बेहद रुचिकर प्रतीत होगा। मौसम के बिगड़ते मिजाज के कारण संतान पक्ष रोग ग्रसित हो सकते है। अध्ययन, लेखन आदि से सम्बन्धित कार्यों मे विध्न बाधायें उपस्थित होंगी। मनोरंजक कार्य मानसिक रुप से अरुचिकर प्रतीत हो सकते हैं। माह का दूसरा तथा तीसरा सप्ताह ग्रहस्थ जीवन, व्यापार आदि के लिये उत्तम रहेगा। तारीख 3, 4, 5, 9, 10, 11, 12, 13 प्रगतिकारक सिद्ध होगी। **अरिष्ट निवारण के लिये पान के पत्ते पर हरी इलायची रखकर बहते जल मे प्रवाहित करें बेहतर रहेगा।**

तुलाः– रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, ते

कुसंगति की कृपा के चलते मानसिक तनाव मे वृद्धि की स्थितियों का सामना करना पड़ेगा। शुभ तथा अशुभ दोनो प्रकार के कार्यों मे खर्च ऋणग्रस्त होने की स्थिति तक जा सकता है उच्च शिक्षा, उच्च डिग्री आदि से जुड़ी हुयी गतिविधियां अल्पलाभ की ओर इशारा करती हैं। कोर्ट, कचेहरी सम्बन्धी कामकाज मे विध्न बाधायें आयेंगी। धनागम सम्बन्धी कार्यों मे धीरे–धीरे ही लाभ की आशा करें। ग्रहस्थ आश्रम तर्क, कुतर्क के मध्य बनता संवरता प्रतीत होगा। शेयर मार्केट, सट्टा बाजार आदि मे पंजी निवेश का अभी सही वक्त नही है। माह का द्वितीय सप्ताह राहतकारक सिद्ध होगा। तारीख 1, 2, 3, 5, 6, 7, 11, 12, 13 उन्नतिकारक प्रतीत होगी। **अरिष्ट निवारण के लिये भोजन से पहले गौ ग्रास निकालकर सफेद गाय को खिलायें, कल्याण होगा।**

वृश्चिकः– तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू

खान–पान व्यवस्था अति उत्तम रहेगी। आप द्वारा मिष्ठान का प्रयोग भी बढ़ सकता है। व्यापारिक कार्ययोजनाओं मे लाभ मार्ग की ओर अग्रसर रहेंगे। संतान पक्ष को चोट, चपेट का भय बना रहेगा। लेखन और साहित्य सम्बन्धी काम–काज मे अल्प लाभ की स्थिति आयेगी। खाली समय मे जीवन सार्थी द्वारा सुझाये गये उपाय आपको रुचिकर प्रतीत होंगे। सार्थक तथा निरर्थक दोनो तरह के व्यय भार की मार सहन करनी पड़ सकती हैं संयमित वाणी का प्रयोग परिवारिक जीवन के लिये हितकर रहेगा। आजीविका सम्बन्धी कार्य सजग रहकर गतिशील हो सकते हैं। तारीख 7, 8, 9, 14, 15, 16 शुभकारक सिद्ध होगी। **अरिष्ट निवारण के लिये नियमित बजरंग बाण का पाठ करना हितकर होगा।**

धनुः– ये, यो, भा, भी, भू, ध, फ, ढ़, भे

माह के प्रथम सप्ताह मे धन लाभ सम्बन्धी क्रिया–कलापों से लाभप्रद स्थितियां निर्मित होंगी। उपहार, गिफ्ट आदि प्राप्त करने मे सफल होंगे। गीत, संगीत भरा वातावरण बेहद रुचिकर प्रतीत होगा। अचानक एकत्रित हुये यात्रा प्रकरण शारीरिक कष्ट की अनुभूति भी करायेंगे। माह का दूसरा सप्ताह भूमि क्रय–विक्रय कार्यों मे प्रगतिसूचक है। षष्ठस्थ बृहस्पति भारी शत्रु वृद्धि की ओर संकेत करता है। साहसिक कारनामो को अंजाम देने की प्रवृत्तियों मे भी आश्चर्यजनक रुप से वृद्धि होगी। धर्म और अधर्म के मध्य धार्मिक रास्ता ही रुचिकर प्रतीत होगा। व्यवसायिक हितों की अनदेखी ठीक नही है। तारीख 1, 2, 3, 5, 6, 7 प्रगतिसूचक है। **अरिष्ट निवारण के लिये किसी वृद्ध व्यक्ति को पीले वस्त्रों का दान करें।**

मकरः– भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी

राजकीय कामकाजो मे स्त्रीपक्ष का अधिकाधिक सहयोग प्राप्त हो सकता है। माह का प्रथम सप्ताह जीविका तथा आर्थिक मामलो मे बेहतर प्रतीत होगा। मनोरंजक सामग्री की खरीद फरोक्त पर अतिरिक्त व्यय भार आ सकता है। युवामित्र मन्डली भी आशानुकूल सहयोग करने के लिये विवश होगी। वाणी मे चिड़चिड़ेपन की समाविष्टि परिवारिक तनाव का वातावरण बनायेगी। इस माह मे पुरुषों की अपेक्षाकृत महिलाओं के अधिक विश्वासपात्र बने रहेंगे। कर्म क्षेत्र मे डटे रहकर अपने बिगड़ते कामो को गतिशील बनाने मे समर्थ होंगे। अराध्य देव की कृपा से ग्रहस्थ जीवन सामान्य रहेगा। तारीख 3, 4, 5, 7, 8, 9 शुभप्रद प्रतीत होगी। **अरिष्ट निवारण के लिये भोजन मे काला नमक तथा काली मिर्च का प्रयोग करें।**

कुम्भः– गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा

निरर्थक बातचीत से अपने आपको बचायें रखना आपके लिये तथा पारिवारिक जीवन के लिये बेहतर है। अनायास किसी धार्मिक रमणीक स्थल की यात्रा हो सकती है। राजनैतिक और कूटनीति के चलते विशेष सामाजिक ख्याति अर्जित करेंगे। खान–पान मे तीखे, मीठे, कसैले पदार्थ बेहद रुचिकर प्रतीत होंगे। संतान पक्ष की निरर्थक भागदौड़ भी आपको प्रभावित करेगी। शुभ सूचक कार्य अतिरिक्त खर्च के मार्ग की ओर अग्रसर रहेंगे। ग्रहस्थ आश्रम के अनुभव सामान्य प्रतीत होंगे। तारीख 3, 4, 5, 6, 7, 9, 10, 11 उत्तम सूचक प्रतीत होंगे। **अरिष्ट निवारण के लिये किसी हनुमान मंदिर मे दर्शन के लिये नंगे पैर श्रद्धा के साथ जायें।**

मीनः– दी, दू, थ, झ, अ, दे, दो, चा, ची

सरदर्द, चोट, चपेट आदि की संभावना से इन्कार नही किया जा सकता है। धन लाभ से अधिक आर्थिक व्यय के कारण मन मलीन रहेगा। व्यस्तता और दौड़धूप के मसलों पर सोच समझ कर निर्णय लेना हितकर होगा। ईश्वर अराधना के चलते मानसिक परेशानी दूर करने मे सफल रहेंगे। राजनैतिक सोच वाले, समान विचारधारा वाले सामाजिक लोगों से आपका जन सम्पर्क बड़ेगा। घर ग्रहस्थी से सम्बन्धी कामकाज से दूर भागना आपके लिये अहितकर सिद्ध होगा। अध्यात्मिक कामकाजों मे आपकी संलग्नता बड़ेगी। तारीख 5, 6, 7, 8, 9, 12, 13 उत्तम सूचक है। **अरिष्ट निवारण के लिये 03 हल्दी की गांठे, 43 दिन तक लगातार जल मे प्रवाहित करें।**

माह के व्रत पर्व और त्यौहारः–

1. संकष्ठी श्री गणेश चतुर्थी व्रतम्, चन्द्रोदय रात्रि मे 08 बजकर 47 मिनट पर, 01 मार्च, शुक्रवार।
2. अष्टका श्राद्ध जानकी जयन्ती, सीता अष्टमी, 05 मार्च, मंगलवार।
3. विजया एकादशी व्रतम् सर्वेषाम्, 08 मार्च, शुक्रवार।
4. शानि प्रदोष त्रयोदशी व्रतम्, पंचक आरम्भ रात्रि मे 12 बजकर 53 मिनट से, 09 मार्च, शानिवार।
5. महाशिवरात्रि चतुर्दशी व्रतम् श्री वैद्यनाथ जयन्ती, चतुर्दश लिंग पूजा, 10 मार्च, रविवार।
6. स्नान दान और श्राद्ध की अमावस्या, 11 मार्च सोमवार।
7. चौमासी चौदस (जैन) 12 मार्च, मंगलवार।
8. चन्द्र दर्शन मु0 पर्व 30 समताकारक, फुलहा द्वितीया, छाग द्वितीया, 13 मार्च बुधवार।
9. मीन राशि मे सूर्य का प्रवेश दिन मे 01 बजकर 21 मिनट पर पंचक समाप्त, 14 मार्च, बृहस्पतिवार।

10. श्री वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रतम्, सर्वार्थ सिद्धि योग और रवि योग दिन मे 02 बजकर 49 मिनट तक, 15 मार्च, शुक्रवार।
11. रवि योग रात्रि मे 06 बजकर 59 मिनट तक, गोरुपिणी षष्ठी, (बंगाल), 17 मार्च, रविवार।
12. बुधाष्टमी, होलाष्टक प्रारम्भ, 20 मार्च, बुधवार।
13. राष्ट्रीय चैत्र मास आरम्भ, फागु दशमी (उड़ीसा) लट्ठमार होली नन्दगांव रवियोग समस्त दिन, 22 मार्च, शुक्रवार।
14. आमलकी एकादशी सर्वेषाम्, रंगभरी एकादशी, श्री काशी विश्वनाथ श्रंगार दिन 23 मार्च, शानिवार।
15. प्रदोष त्रयोदशी व्रतम्, मेला श्री श्याम खाटू (राजस्थान), 24 मार्च, रविवार।
16. व्रत की पूर्णिमा, होलिका दहन, 26 मार्च, मंगलवार।
17. स्नान दान की पूर्णिमा, मन्वादि पूर्णिमा, फाल्गुनी पूर्णिमा, श्री चैतन्य महाप्रभु जयन्ती, 27 मार्च, बुधवार।
18. बसन्तोत्सव, होलिकोत्सव, 28 मार्च, गुरुवार।
19. श्री संकष्ठी गणेश चतुर्थी व्रतम्, चन्द्रोदय, रात्रि मे 08 बजकर 54 मिनट पर, 30 मार्च, शानिवार।

पंडित आनंद अवस्थी

पं0 आनन्द अवस्थी : पटेल नगर कालोनी बछरावां,
रायबरेली डी–79, साउथ सिटी, लखनऊ, लखनऊ एम0बी0 नं0– 9450460208
Website- www.aarshjyotish.in, ----E-mail :
panditanandawasthi@aarshjyotish.in